https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

प्रस्तावना

इस भाग में बच्चों के गठिया रोग संबंधित रोगों के इलाज में काम आने वाली दवाओं की जानकारी दी गई है। इसे चार भागों में बाँटा गया है।

विवरण

इस भाग में दवाओं की सामन्य जानकारी के साथ काम करने की प्रक्रिया तथा बुरे प्रभावों की जानकारी भी दी गई है।

खुराक / दवा देने के तरीके

इस भाग में दवा की खुराक, समान्यात: मि ग्रा / किलो ग्राम / प्रतिदिन व मि. ग्रा. / बी. एस. ए. (बॉडी सरफेस एरिया य मीटर2 के रूप में बताया गया है उसके साथ में दवा देने के तरीकों की भी जानकरी दी गई है (खाने की दवा / इंजेक्शन)

दुष्प्रभाव

इस भाग में सबसे अधिक देखे गए बुरे प्रभावों की जानकारी दी गई है।

बच्चों के प्रमुख गठिया संबंधित रोगों की सूचना

इस भाग में बच्चों के सभी (गठिया संबंधी) रोगों की सूचि दी गई है। इन दवाओं की मुख्य रूप से बच्चों में जाँच की गई है तथा FDA (फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) अथवा EMA (यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी) व्दारा बच्चों में इन दवाओं के उपयोग की स्वीकृति दी गई है।

पीडियाट्रिक लेजिस्लेशन, लेबल व ऑफ लेबल उपयोग (पूर्ण रूप से स्थापित व अस्थापित उपयोग) तथा भविष्य में इलाज की संभावना

लगभग १५ वर्ष पूर्व तक सभी दवाएँ जुवेनाइल इडिओपेथिक आर्थराइटिस तथा कई दूसरी बच्चों की बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाती थी जिनका ठिक तरह से ज्ञान नहीं था। इसका अर्थ है कि चिकित्सिक अपने अनुभव तथा बड़ों में दवाओं की जानकारी के आधार पर इनका उपयोग कर रहे थे।

पहले पीडियाट्रिक रयूमेटोलोजी के ट्रायल कठिन थे क्योंकि दवा बनाने वाली कंपनियों को इन ट्रायल से होने वाले कम लाभ तथा कम निवेश की वजह से इसमें अधिक रूचि नहीं थी। लेकिन कुछ वर्षों पहले इसमें काफी बदलाव हुआ है। यह बदलाव अमेरिका के चिल्ड्रन एक्ट में सबसे अच्छी दवा कंपनियों के प्रस्ताव तथा यूरोपीयन संगठन में पीडीयाट्रीक दवाओं के विशिष्ट नियमो के कारण देखा गया है।

अमेरकिा तथा यूरोपीयन संगठन का PRINTO (पीडयिाट्रकि रयूमेटोलोजी इंटरनेशनल ट्रायल र्ओगेनाइजेशन) तथा PRCSG (पीडयिाट्रकि रयूमेटोलोजी कोलेबोरेटवि स्टडी ग्रुप) के साथ जे आए ए के इलाज के नए वकिल्पों में बड़ा योगदान है। PRINTO तथा PRCSG के कई बड़े ट्रायल कएि हैं जसिमें दुनयिा के कई देशों के बच्चों ने भाग लयिा है इन परीक्षणों में बच्चों को प्लेसीबो दवाएँ भी दी जाती है। (दवा या इंजेक्शन जसिमें कोई सक्रयि पदार्थ नहीं होता) ताकि ट्रायल में दी गई दवाओं की तुलना की जा सके।
इन सभी परक्षिणो की वजह से FDA , EMA तथा कई राष्ट्रयि संस्थओं ने इन दवाओं की जानकारी का संशोधन कयिा है तथा दवा कंपनयिों को बच्चों में इनके प्रभाव तथा सुरक्षति उपयोग की अनुमति दी है।
जे आए ए के लीए जनि दवाओं की मंजूरी दी गई है। उनकी सूचि यह है - मीथोट्रेक्सेट, इटानरसेप्ट, अडालमिुमाब, टोसलिजिुमाब कनाकनिुमाब
कई सारी दवाओं का अध्ययन चल रहा है। आपके चकित्सिक आपके बच्चे के लएि इस परीक्षण में भाग लेने के लएि पूछ सकते हैं।
कई दवाए जे आए ए के इलाज के लएि मंजूर नहीं की गई है जैसे कई एन एस ए आए डी एजथायोप्रनि, साइक्लोस्पोरनि, अनाकनिरा तथा इनफ्लकि्जमिब। इनका उपयोग बनिा मंजूरी के (जसि ऑफ लेबल उपयोग कहते है) कयिा जा सकता है।

सख्ती से पालन (अनुपालन)

इलाज को गंभीर तथा पूर्ण रूप से लेना कम तथा लंबे समय के फायदे के लएि बहुत महत्वपूर्ण है।
इलाज के अनुपालन के लएि नम्नि बातें का ध्यान रखना चाहएि डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं का कोर्स जैसे सुनशि्चति रूप से दवा लेना, समय पर जाँच, फजियिोथेरेपी तथा दूसरे परक्षिण आदि। इन सब की वजह से बच्चे के स्वास्थ्य में सुधर आता है तथा वह रोग से अच्छी तरह लड़ सकता है। दवा की आवृत्ति तथा खुराक, शरीर में दवा का एक नश्चिति अनुपात बना कर रखती है। यदि इलाज का अनुपालन ठीक से न कयिा जाए तो दवा का अनुपात कम हो सकता है और बीमारी बढ़ सकती है। इसके लएि दवा के शोट तथा खाने वाली दवा नयिमति रूप से लेना चाहएि।
इलाज में असफलता का सबसे आम कारण अनुपालन ना करना है। पूरी मेडकिल टीम के साथ इलाज को पूरा करना कभी-कभी माता-पतिा के लएि मुश्कलि होता है। जैसे जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है वशिष रूप से जब वे कशिोर होते है अनुपालन मुश्कलि होता है और वे उस इलाज को बीच में छोड़ देते है जो असुवधिाजनक होता है। इस उम्र में बीमारी के बढ़ने का खतरा अधकि होता है यदि इलाज का ठीक तरह से अनुपालन कयिा जाए तो बीमारी ठीक हो सकती है और जीवन की गुणवत्ता बढ़ सकती है।

">http://labels.fda.gov http://labels.fda.gov